सरकार के विचाराधीन नये परमाणु शक्ति संयंत्र

1613. डा० अबरार अहमद : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वे कौन-कौन से परमाणु ऊर्जा संयंत्र हैं जहां परमाणु ऊर्जा उत्पादित की जाती है ; उनकी संयंत्रवार क्षमता क्या है ;

(ख) क्या परमाणु ऊर्जा के उत्पादन के लिये कोई नये संयंत्र सरकार के विचाराधीन हैं ; यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा उन एककों के नाम क्या हैं जहां कार्य चल रहा है और इन एककों का कार्य कब तक पूरा हो जायेगा ; और

(ग) क्या परमाणु संयंत्रों द्वारा परमाणु ऊर्जा के उत्पादन के लिये किये गये नये शोध कार्यों के कोई सारगर्भित परिणाम निकले हैं ; यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती मारग्रेट आल्वा) : (क) निम्नलिखित चालू परमाणु बिजलीघरों में बिजली का उत्पादन किया जा रहा है :

मेगावाट

यूनिट	परमाणु ऊर्जा आयोग द्वारा यथा अनुमोदित स्थापित क्षमता
तारापुर परमाणु बिजलीघर—पहला यूनिट	160
तारापुर परमाणु बिजलीघर—दूसरा यूनिट	160
राजस्थान परमाणु बिजलीघर पहला यूनिट	160
राजस्थान परमाणु बिजलीघर दूसरा यूनिट	220
मद्रास परमाणु बिजलीघर—पहला यूनिट	220
मद्रास परमाणु बिजलीघर—दूसरा यूनिट	220
नरोरा परमाणु बिजलीघर—पहला यूनिट	220

(ख) चालू परियोजनायें

परमाणु विद्युत रिएक्टरों की वे चालू स्कीमें जहां निर्माण कार्य चल रहा है, निम्नलिखित हैं :

परियोजना	क्रांतिकता प्राप्त करने के लिए लक्ष्य तारीख
नरोरा परमाणु विद्युत परियोजना—दूसरा यूनिट	अगस्त, 1991
ककरापार परमाण विद्युत परियोजना—पहला यूनिट	दिसम्बर 1991
ककरापार परमाण् विद्युत परियोजना—दूसरा यूनिट	दिसम्बर, 1992
राजस्थान परमाणु बिजलीघर —तीसरा यूनिट	मई, 1995
राजस्थान परमाण् बिजलीघर —चौथा यूनिट	नवम्बर 1995
कैगा परियोजना—पहला यूनिट]	जून, 1995
कैगा परियोजना—दूसरा यूनिट	दिसम्बर, 1995

(वाणिज्यिक स्तर पर बिजली का उत्पादन क्रांतिकता प्राप्त करने के 5 से 6

महीने बाद शुरू करने का लक्ष्य रखा गया है) ।

नई परियोजनायें

सरकार द्वारा तारापुर परमाणु विद्युत परियोजना के तीसरे और चौथे यूनिट (2-500 मेगावाट) के लिए परियोजना संबंधी वित्तीय संस्वीकृति जनवरी, 1991 में दी गई है । कगा में 220 मेगावाट विद्युत क्षमता वाले चार तथा राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना में 500 मेगावाट विद्युत क्षमता वाले 4 और यूनिट स्थापित करने का प्रस्ताव है । तमिलनाडु में कुडनकुलम नामक स्थान पर 1000 मेगावाट विद्युत क्षमता वाले 2 यूनिट स्थापित करने के लिए सोवियत संघ और भारत के बीच एक अन्तर्कारी करार पर नवम्बर, 1988 में हस्ताक्षर किए गए थे । इन नई परियोजनाओं पर कार्य शुरू करना साधनों की स्थिति के समनरूप बजटीय और योजना आवंटनों पर निर्भर करेगा ।

(ग) जी, हां । परमाणु विद्युत रिएक्टरों के कार्यनिष्पादन तथा सुरक्षा को और बेहतर बनाने के लिए भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र में अनुसंधान और विकास संबंधी अनेक कार्य किए गए हैं । उनमें से कुछ नीचे दिए गए हैं :--

- नाभिकीय ईंधन के डिजाइन और उसके संविरचन में सुधार करना ;
- बेहतर सुरक्षा के लिए बचाव प्रणालियों ;
- शीतलक चनलों को बेहतर कार्य-काल के लिए जर्कोनियम-नायोबियम दाब ट्यूबें विकसित करना ;
- सेवाकलीन निरीक्षण और मरम्मत संबंधी काम करने के लिए मशीनी सुनम्य औजार और विद्युत चम्बकीय युक्तियां ;
- संशोधन प्रणाली में सुधार करना ।

सामान्य रूप में हम अपने अनुसंधान और विकास संबंधी प्रयासों के जरिए दाबित भारी पानी किस्म के रिएक्टरों की प्रचालन प्रणलियों में सुधार ला पाए हैं ।

Industrial growth Centres

1614. DR. YELAMANCHILI SIVAJI: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) the number of industrial growth centres identified in the country and the number of them in Andhra Pradesh indicating their locations;

(b) what facilities are proposed to be provided in those centres;

(c) by when are they likely to be completed;

(d) what is the cost of each centre; and

(e) what are the advantages of these centres?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY SHRI P. J. KURIEN): (a) to (e) Out of 70 growth centres intended to be developed in various States/Union Territories, locations of 61 growth centres have been identified. Andhra Pradesh has been allotted 4 growth centres, the locations of which are as under;

Name of growth	District
Vizianagaram-Bobbili	Vizianagaram
Ongole	Prakasam
Khammam (Vemsoor	Khammam
(Vemsoor Mandal)	
Hindpur	Anantapur